Swami Vivekanand University, Sagar(M.P.)

As per model syllabus of U.G.C. New Delhi, drafted by Central Board of Studies and Approved by Higher Education and the Governor of M.P.

कला एवं समाज विज्ञान संकाय

Faculty of Art & Social Science

Syllabus & Prescribed Books

Subject – Hindi Literature

B.A. Yearly Examination

2017-20

I,II & III Year

कुलसचिव

स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय, सिरोंजा सागर (म.प्र.)

Swami Vivekanand University, Sagar(M.P.)

Department of Higher Education, Govt. of M.P.

Under Graduate semester Wise Syllabus

As Recommended by Central Board of Studies and Aspproved by the Governor of M.P.

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन

स्नातक कक्षाओं के लिये बार्षिक पाठ्यक्रम

केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशांसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित

Session 2017-18

Class / कक्षा	: B.A. 1st Year/ बी.ए.प्रथम वर्ष
Paper / प्रश्न पत्र	: 1st/ प्रथम
Subject / विषय	: हिन्दी साहित्य
Title of Subject Group/	: Praceen evam Madhyakaleen Kavya
प्रश्न पत्र का शीर्षक	:प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य
Max. Marks / अधिकतम अंक	:40 नियमित Regular/50 स्वाध्यायी Private

विवरण/ Particulars

इकाई एक	कबीर, सूरदास, तुलसीदास, बिहारी, घनानन्द, भूषण– निर्धारित अंशों से व्याख्या
इकाई दो	भक्तिकाल एवं रीतिकाल की पृष्ठभूमि, प्रमुख प्रवृत्तियॉ, धाराऍ एवं विशेषताऍ
इकाई तीन	कबीर, सूर और तुलसी पर समीक्षात्मक प्रश्न
इकाई चार	बिहारी, घनानन्द और भूषण पर समीक्षात्मक प्रश्न
इकाई पांच	द्रुत पाठ के कवि अमीर खुसरो, विद्यापति, जायसी, मीरा, रसखान, केशव, पद्माकर (व्यक्तित्व एवं कृतित्व)
नोट –	द्रुत पाठ के कवियों पर लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

Swami Vivekanand University, Sagar(M.P.)

पाठ्यांश –

1. **कबीरदास** – सम्पादक– डॉ. श्यामसुन्दरदास – काशी नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

   गुरूदेव को अंग बिरह को अंग,ग्यान बिरह को अंग प्रत्येक से प्रारंभिक 5–5 साखी एवं प्रारंभिक 5 पद

2. **सूरदास** – सम्पादक– डॉ. धीरेन्द्र वर्मा

   उद्धव संदेश – कुल 15 पद– कम संख्या 9,10,15,21,22,26,27,29,52,53,62,82,95,101एवं102

3 **तुलसीदास** – (प्रकाशक– गीता प्रेस गोरखपुर)

   विनय पत्रिका एवं कवितावली से प्रारंभिक 5–5 पद

   अयोध्या कांड (रामचरितमानस) दोहा कमांक 117 से 121 तक

4 .**बिहारी**– बिहारी रत्नाकर – सम्पादक – जगन्नाथ दास रत्नाकर : (भक्ति,नीति,प्रकृति,श्रृगांर, विरह के 5–5 दोहे) दोहा संख्या–1,5,6,7,8,11,14,16,18,19,21,25,28,31,32,35,37,38,41,51=कुल 20 दोहे

5. **घनानन्द** – सं. डॉ. रामचंद्र तिवारी एवं डॉ. रामफेर त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, (15 सवैये) 2,3,4,6,8,9,10,11,12,14,15,17,19,20,22=कुल 15 पद

6. **भूषण – रीति काव्यधारा** – सं. डॉ. रामचंद्र तिवारी एवं डॉ. रामफेर त्रिपाठी विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी–चयनित 14 कबित्त

   वन्दना– 1,2

   शिवाजी प्रशस्ति –9,10,11,12,15,17,20

   छत्रसाल प्रशस्ति – 22,,23,26,32,34

द्रुत पाठ –

1)अमीर खुसरो

2)विद्यापति

3) जायसी

4) मीरा

5)रसखान

6)केशव

7)पद्माकर

प्रश्नपत्र की पद्धति शासन के मान्य स्वरूप के अनुसार होगी। अंको का विभाजन भी शासन के मान्य स्वरूप के अनुसार होगा।

अंक विभाजन : नियमित विद्यार्थियों के लिए

सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु प्रश्नपत्र – 40 अंक + आन्तरिक मूल्यांकन 10 अंक त्रैमासिक, 10 अंक छह मासिक कुल 20 अंक । इस प्रकार कुल मिलाकर 60 अंक

नियमित विद्यार्थियों हेतु सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु अंक विभाजन कुल अंक 40

खण्ड अ – वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 x 5 = 5 अंक
खण्ड ब – लघु उत्तरीय (ढाई अंक के दो प्रश्न)	2.5 x 2 = 5 अंक
खण्ड स – दीर्घ उत्तरीय (छः अंको के पॉच प्रश्न)	5 x 6 = 30 अंक
	कुल अंक = 40

स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित – कुल 50 अंक। इनका आंतरिक मूल्यांकन नहीं होगा।

अंक विभाजन –

खण्ड अ – वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 x 5 = 5
खण्ड ब – लघु उत्तरीय (तीन–तीन अंको के कुल 4प्रश्न)	3 x 4 = 12
खण्ड स – अ– दीर्घ उत्तरीय(नौ–नौ अंको के कुल 2 समीक्षात्मक प्रश्न)	9 x 2 = 18
ब– व्याख्या – (पांच–पांच अंको की कुल 3 व्याख्याएँ)	5 x 3 = 15
कुल अंक	**50**

निर्धारित पुस्तक : प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य म.प्र. हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल से प्रकाशित।

टीप – दीर्घ उत्तरीय एवं लघु उत्तरीय प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ पूछे जायेंगे।

Swami Vivekanand University, Sagar(M.P.)

Department of Higher Education, Govt. of M.P.

Under Graduate semester Wise Syllabus

As Recommended by Central Board of Studies and Aspproved by the Governor of M.P.

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन

स्नातक कक्षाओं के लिये बार्षिक पाठ्यक्रम

केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशांसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित

Session 2017-18

Class / कक्षा	: B.A. 1st Year/ बी.ए.प्रथम वर्ष
Paper / प्रश्न पत्र	: II/ द्वितीय
Subject / विषय	: हिन्दी साहित्य
Title of Subject Group/	: Hindi Katha Sahitya
प्रश्न पत्र का शीर्षक	:हिन्दी कथा साहित्य
Max. Marks / अधिकतम अंक	:40 नियमित Regular/50 स्वाध्यायी Private

विवरण/ Particulars

इकाई एक	गबन – प्रेमचन्द अथवा आपका बंटी–मन्नू भंडारी निर्धारित उपन्यासों एवं कहानियों से व्याख्या
इकाई दो	हिन्दी उपन्यास एवं कहानी का उद्‌भव, विकास एवं प्रवृत्तियॉ
इकाई तीन	''गबन'' अथवा ''आपका बंटी'' पर समीक्षात्मक प्रश्न
इकाई चार	निर्धारित कहानियों पर समीक्षात्मक प्रश्न
इकाई पांच	द्रुत पाठ – अमृतलाल नागर, यशपाल, धर्मवीर भारती, कृष्णा सोबती, मालती जोशी, मीनाक्षी स्वामी
नोट –	द्रुत पाठ के कहानीकारो पर लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

1 उपन्यासः– गबन– प्रेमचंद्र अथवा आपका बंटी–मन्नू भंडारी

2 हिन्दी कथा साहित्य :–

1. गुण्डा– जयशंकर प्रसाद
2. कफन – प्रेमचंद
3. अपना–अपना भाग्य–जैनेन्द्र कुमार
4. तीसरी कसम उर्फ मारे गये गुलफाम – फणीश्वरनाथ रेणु
5. चीफ की दावत– भीष्म साहनी
6. दोपहर का भोजन – अमरकांत
7. रीछ – दूधनाथ सिंह
8. ढाई बीघा जमीन – मृदुला सिन्हा

द्रुत पाठ – अमृतलाल नागर, यशपाल, धर्मवीर, भारती, कृष्णा सोबती, मालती जोशी तथा मीनाक्षी स्वामी प्रश्नपत्र की पद्धति शासन के मान्य स्वरूप के अनुसार होगी। अंको का विभाजन भी शासन के मान्य स्वरूप के अनुसार होगा ं द्रुत पाठ के कहानीकारों पर लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

अंक विभाजन : नियमित विद्यार्थियों के लिए

सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु प्रश्नपत्र – 40 अंक + आन्तरिक मूल्यांकन 10 अंक त्रैमासिक, 10 अंक छह मासिक कुल 20 अंक । इस प्रकार कुल मिलाकर 60 अंक

नियमित विद्यार्थियों हेतु सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु अंक विभाजन कुल अंक 40

खण्ड अ – वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 x 5 = 5 अंक
खण्ड ब – लघु उत्तरीय (ढाई अंक के दो प्रश्न)	2.5 x 2 = 5 अंक
खण्ड स – दीर्घ उत्तरीय (छः अंको के पॉच प्रश्न)	5 x 6 = 30 अंक
	कुल अंक = 40

स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित – कुल 50 अंक। इनका आंतरिक मूल्यांकन नहीं होगा।

अंक विभाजन –

खण्ड अ – वस्तुनिष्ठ (एक–एक ंअंक के कुल 5 प्रश्न)	1 x 5 = 5

खण्ड ब – लघु उत्तरीय (तीन–तीन अंको के कुल 4प्रश्न)	3 x 4 = 12
खण्ड स – अ– दीर्घ उत्तरीय(नौ–नौ अंको के कुल 2 समीक्षात्मक प्रश्न)	9 x 2 = 18
ब– व्याख्या – (पांच–पांच अंको की कुल 3 व्याख्याएँ)	5 x 3 = 15
कुल अंक	**50**

निर्धारित पुस्तक : हिन्दी कथा साहित्य– म.प्र. हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल से प्रकाशित।

टीप – दीर्घ उत्तरीय एवं लघु उत्तरीय प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ पूछे जायेंगे।

Swami Vivekanand University, Sagar(M.P.)

Department of Higher Education, Govt. of M.P.

Under Graduate semester Wise Syllabus

As Recommended by Central Board of Studies and Aspproved by the Governor of M.P.

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन

स्नातक कक्षाओं के लिये बार्षिक पाठ्यक्रम

केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशांसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित

Session 2018-19

Class / कक्षा	: B.A. II Year/ बी.ए.द्वितीयवर्ष
Paper / प्रश्न पत्र	: I/ प्रथम
Subject / विषय	: हिन्दी साहित्य
प्रश्न पत्र का शीर्षक	:अर्वाचीन हिन्दी काव्य
Max. Marks / अधिकतम अंक	:40 नियमित Regular/50 स्वाध्यायी Private

विवरण/ Particulars

इकाई–1 निर्धारित कवि : मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, निराला, माखनलाल चतुर्वेदी, महादेवी वर्मा अज्ञेय तथा मुक्तिबोध की रचनाओं से तीन व्याख्यांश।

मैथिलीशरण गुप्तः

1. सखि वे मुझसे कहकर जाते (यशोधरा से)
2. छोनों ओर प्रेम पलता है (साकेत से)

जयशंकर प्रसाद :

1. बीती विभावरी जाग री
2. शेर सिंह का शस्त्र समर्पण

सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला :

1. जागो फिर एक बार
2. तोडती पत्थर

माखनलाल चतुर्वेदी

1. कैदी और कोकिला
2. हिमकिरीटिनी

महादेवी वर्मा

1. मैं नीर भरी दुःख की बदली
2. बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ

स.ही.वा. अज्ञेय :

1. कलगी बाजरे की
2. बावरा अहेरी

मुक्तिबोध :

1. सहर्ष स्वीकारा है
2. भूल गलती

इकाई–2 मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद एवं निराला से एक समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई–3 माखनलाल चतुर्वेदी, महादेवी वर्मा, अज्ञेय एवं मुक्तिबोध से एक समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई–4 आधुनिक युग की काव्य प्रवृत्तियॉ : भारतेन्दु युग, राष्ट्रीय काव्यधारा, छायावाद और छायावादोत्तर काव्य : प्रगतिवाद एवं नई कविता।

इकाई–5 द्रुतपाठ – भारतेन्दु हरिशचंद्र, भवानी प्रसाद मिश्र, रघुवीर सहाय, श्री नरेश मेहता और दुष्यन्त कुमार

अंक विभाजन : नियमित विद्यार्थियों के लिए

सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु प्रश्नपत्र – 40 अंक + आन्तरिक मूल्यांकन 10 अंक त्रैमासिक, 10 अंक छह मासिक कुल 20 अंक । इस प्रकार कुल मिलाकर 60 अंक

नियमित विद्यार्थियों हेतु सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु अंक विभाजन कुल अंक 40

खण्ड अ – वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 x 5 = 5 अंक
खण्ड ब – लघु उत्तरीय (ढाई अंक के दो प्रश्न)	2.5 x 2 = 5 अंक

खण्ड स – दीर्घ उत्तरीय (छः अंको के पॉच प्रश्न) 5 x 6 = 30 अंक

कुल अंक = 40

स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित – कुल 50 अंक। इनका आंतरिक मूल्यांकन नहीं होगा।

अंक विभाजन –

खण्ड अ – वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 x 5 = 5
खण्ड ब – लघु उत्तरीय (तीन–तीन अंको के कुल 4प्रश्न)	3 x 4 = 12
खण्ड स – अ– दीर्घ उत्तरीय(नौ–नौ अंको के कुल 2 समीक्षात्मक प्रश्न)	9 x 2 = 18
ब– व्याख्या – (पांच–पांच अंको की कुल 3 व्याख्याएँ)	5 x 3 = 15
कुल अंक	**50**

निर्धारित पुस्तक : अर्वाचन हिन्दी काव्य– म.प्र. हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल से प्रकाशित।

टीप – दीर्घ उत्तरीय एवं लघु उत्तरीय प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ पूछे जायेंगे।

Swami Vivekanand University, Sagar(M.P.)

Department of Higher Education, Govt. of M.P.

Under Graduate semester Wise Syllabus

As Recommended by Central Board of Studies and Aspproved by the Governor of M.P.

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन

स्नातक कक्षाओं के लिये बार्षिक पाठ्यक्रम

केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशांसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित

Session 2018-19

Class / कक्षा	: B.A. II Year/ बी.ए.द्वितीयवर्ष
Paper / प्रश्न पत्र	: II/ द्वितीय
Subject / विषय	: हिन्दी साहित्य
Title of Paper/	:Hindi Bhasha & Sahitya ka Itihas aur Kavyang Vivechan
प्रश्न पत्र का शीर्षक	:हिन्दी भाषा–साहित्य का इतिहास और काव्यांग विवेचन
Max. Marks / अधिकतम अंक	:40 नियमित Regular/50 स्वाध्यायी Private

विवरण/ Particulars

इकाई–1 हिन्दी भाषा की उत्पत्ति, हिन्दी की प्रमुख बोलियॉ, विभिन्न भाषाओं का विकास। हिन्दी भाषा के विविध रूप – बोलचाल की भाषा, राष्ट्र भाषा, राज भाषा, सम्पर्क भाषा।

इकाई–2 हिन्दी शब्द भंडार, हिन्दी का शब्द स्त्रोत – तत्सम, तद्भव, देशज एवं विदेशी शब्दावली, तत्सम और तद्भव का अंतर, परिभाषिक शब्दावली।

हिन्दी के प्रमुख व्याकरणाचार्य– कामता प्रसाद गुरू एवं किशोरी दास बाजपेयी का अवदान।

इकाई–3 हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखन एवं काल विभाजन : आदिकाल, पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) उत्तर मध्यकाल(रीतिकाल) की प्रवृत्तियॉ।

इकाई–4 आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य का विकास – भारतेन्दु युगः द्विवेदी युग, छायावाद युग। छायावादोत्तर युगीन नाटक एवं अन्य गद्य विधाऍ

इकाई–5 काव्यांग विवेचन–रस और उसके भेद

प्रमुख छनद –दोहा, सोरठा, चौपाई रोला और हरिगीतिका।

प्रमुख अलंकार– अनुप्रास,यमक,श्लेष,वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, भ्रान्तिमान और सन्देह।

अंक विभाजन : नियमित विद्यार्थियों के लिए

सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु प्रश्नपत्र – 40 अंक + आन्तरिक मूल्यांकन 10 अंक त्रैमासिक, 10 अंक छह मासिक कुल 20 अंक । इस प्रकार कुल मिलाकर 60 अंक

नियमित विद्यार्थियों हेतु सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु अंक विभाजन कुल अंक 40

खण्ड अ – वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 x 5 = 5 अंक
खण्ड ब – लघु उत्तरीय (ढाई अंक के दो प्रश्न)	2.5 x 2 = 5 अंक
खण्ड स – दीर्घ उत्तरीय (छः अंको के पॉच प्रश्न)	5 x 6 = 30 अंक
	कुल अंक = 40

स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित – कुल 50 अंक। इनका आंतरिक मूल्यांकन नहीं होगा।

अंक विभाजन –

खण्ड अ – वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 x 5 = 5
खण्ड ब – लघु उत्तरीय (तीन–तीन अंको के कुल 4प्रश्न)	3 x 4 = 12
खण्ड स – अ– दीर्घ उत्तरीय(नौ–नौ अंको के कुल 2 समीक्षात्मक प्रश्न)	9 x 2 = 18
ब– व्याख्या – (पांच–पांच अंको की कुल 3 व्याख्याएँ)	5 x 3 = 15
कुल अंक	**50**

निर्धारित पुस्तक : हिन्दी भाषा – साहित्य का इतिहास और काव्यांग विवेचन

म.प्र. हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल से प्रकाशित।

टीप – दीर्घ उत्तरीय एवं लघु उत्तरीय प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ पूछे जायेंगे।

Swami Vivekanand University, Sagar(M.P.)

Department of Higher Education, Govt. of M.P.

Under Graduate semester Wise Syllabus

As Recommended by Central Board of Studies and Aspproved by the Governor of M.P.

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन

स्नातक कक्षाओं के लिये बार्षिक पाठ्यक्रम

केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशांसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित

Session 2019-20

Class / कक्षा	: B.A. III Year/ बी.ए. तृतीय वर्ष
Paper / प्रश्न पत्र	: I/ प्रथम
Subject / विषय	: हिन्दी साहित्य
Title of Paper/	:Prayojanmoolak Hindi
प्रश्न पत्र का शीर्षक	:प्रयोजन मूलक हिन्दी
Max. Marks / अधिकतम अंक	:40 नियमित Regular/50 स्वाध्यायी Private

विवरण/ Particulars

इकाई–1 प्रयोजन मूलक, हिन्दी एवं भाषा कम्प्यूटिंग : आशय एवं स्वरूप , कामकाजी हिन्दी से तात्पर्य एवं विविध रूप । कम्प्यूटरः परिचय एवं रूपरेखा, वर्ड प्रोसेसिंग (एम.एस वर्ड डाटा प्रोसेसिंग), यूनिकोड, हिन्दी के अधुनातन साफ्टवेयर टूल।

इकाई–2 पत्राचारः कार्यालयीन पत्र एवं व्यावसायिक पत्र। प्रारूपण, टिप्पण, संक्षेपण, पल्लवन।

इकाई–3 अनुवाद : स्वरूप एवं प्रक्रिया, कार्यालयी, वैज्ञानिक, तकनीकी, वाणिज्यिक, विविध, आशु अनुवाद तथा पारिभाषिक शब्दावली।

इकाई–4 पत्रकारिता : स्वरूप एवं समाचार लेखन। प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पृष्ठ–सज्जा एवं प्रस्तुतीकरण, पटकथा लेखन एवं फीचर लेखन।

इकाई–5 प्रमुख संचार माध्यम– रेडियो, टी.वी, फिल्म, वीडियो तथा इंटरनेट। संचार माध्यमों की लेखन प्रविधि, ई–मेल।

Swami Vivekanand University, Sagar(M.P.)

अंक विभाजन : नियमित विद्यार्थियों के लिए

सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु प्रश्नपत्र – 40 अंक + आन्तरिक मूल्यांकन 10 अंक त्रैमासिक, 10 अंक छह मासिक कुल 20 अंक । इस प्रकार कुल मिलाकर 60 अंक

नियमित विद्यार्थियों हेतु सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु अंक विभाजन कुल अंक 40

खण्ड अ – वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 x 5 = 5 अंक
खण्ड ब – लघु उत्तरीय (ढाई अंक के दो प्रश्न)	2.5 x 2 = 5 अंक
खण्ड स – दीर्घ उत्तरीय (छः अंको के पॉच प्रश्न)	5 x 6 = 30 अंक
कुल अंक	**= 40**

स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित – कुल 50 अंक। इनका आंतरिक मूल्यांकन नहीं होगा।

अंक विभाजन –

खण्ड अ – वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 x 5 = 5
खण्ड ब – लघु उत्तरीय (तीन–तीन अंको के कुल 4प्रश्न)	3 x 4 = 12
खण्ड स – अ– दीर्घ उत्तरीय(नौ–नौ अंको के कुल 2 समीक्षात्मक प्रश्न)	9 x 2 = 18
ब– व्याख्या – (पांच–पांच अंको की कुल 3 व्याख्याएँ)	5 x 3 = 15
कुल अंक	**50**

निर्धारित पुस्तक : (1) ''प्रयोजन मूलक हिन्दी'' म.प्र. हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल से प्रकाशित।

संदर्भ ग्रंथ– (2) प्रो. त्रिभुवननाथ शुक्ल–हिन्दी कम्प्यूटिंग, विकास प्रकाशन, कानपुर।

टीप – दीर्घ उत्तरीय एवं लघु उत्तरीय प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ पूछे जायेंगे।

Swami Vivekanand University, Sagar(M.P.)

Department of Higher Education, Govt. of M.P.

Under Graduate semester Wise Syllabus

As Recommended by Central Board of Studies and Aspproved by the Governor of M.P.

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन

स्नातक कक्षाओं के लिये बार्षिक पाठ्यक्रम

केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशांसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित

Session 2019-20

Class / कक्षा	: B.A. III Year/ बी.ए. तृतीय वर्ष
Paper / प्रश्न पत्र	: II/ द्वितीय
Subject / विषय	: हिन्दी साहित्य – वैकल्पिक प्रश्न पत्र (अ)
Title of Paper/	:Hindi Natak, Nibandh, Tatha Sphut Gadya Vidhyen Evam Bundeli Bhasha
प्रश्न पत्र का शीर्षक	:हिन्दी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य–विधाएँ एवं बुन्देली भाषा–साहित्य
Max. Marks / अधिकतम अंक	:40 नियमित Regular/50 स्वाध्यायी Private

विवरण/ Particulars

इकाई–1 व्याख्यांशः 'अंधेर नगरी' अथवा 'ध्रुवस्वामिनी' और एकांकी

दीपदान : डॉ. रामकुमार वर्मा, वापसी : विष्णु प्रभाकर,

निबंध – 'करूणा' : पं. रामचन्द्र शुक्ल, नाखून क्यों बढ़ते हैः हजारी प्रसाद द्विवेदी,

नाटक–– उत्तिष्ठ भारतः त्रिभुवननाथ शुक्ल (आरम्भ के दो दृश्य)।

ईसुरी, जगनिक, माधव शुक्ल मनोज एवं संतोष सिंह बुन्देला की निर्धारित रचनाओं से व्याख्या।

इकाई–2 अंधेर नगरी अथवा ध्रुवस्वामिनी और निर्धारित एकांकी तथा निर्धारित निबंधों से आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई–3 नाटक एवं एकांकी का इतिहास एवं प्रवृत्तियॉ। हिन्दी गद्य विधाओं का उद्‌भव और विकास।

(निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा, यात्रा वृत्तान्त)

इकाई 4 पठित कवियों पर आलोचनात्मक प्रश्न सहित **बुन्देली भाषा** और उसकी उपबोलियॉ का परिचय, इतिहास तथा सीमा क्षेत्र।

इकाई 5 द्रुत पाठ– लक्ष्मीनारायण मिश्र, डॉ. लक्ष्मी नारायण लाल, मोहन राकेश, भारतेन्दु हरिशचन्द्र, सुरेश शुक्ल ''चन्द्र'' बाबू गुलाब राय, महादेवी वर्मा, गोरे लाल, गंगाधर व्यास, पं. भैयालाल व्यास एवं डॉ. दुर्गेश दीक्षित पर केन्द्रित लघु उत्तरीय प्रश्न।

अंक विभाजन : नियमित विद्यार्थियों के लिए

सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु प्रश्नपत्र – 40 अंक + आन्तरिक मूल्यांकन 10 अंक त्रैमासिक, 10 अंक छह मासिक कुल 20 अंक । इस प्रकार कुल मिलाकर 60 अंक

नियमित विद्यार्थियों हेतु सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु अंक विभाजन कुल अंक 40

खण्ड अ – वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 x 5 = 5 अंक
खण्ड ब – लघु उत्तरीय (ढाई अंक के दो प्रश्न)	2.5 x 2 = 5 अंक
खण्ड स – दीर्घ उत्तरीय (छः अंको के पॉच प्रश्न)	5 x 6 = 30 अंक
	कुल अंक = 40

स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित – कुल 50 अंक। इनका आंतरिक मूल्यांकन नहीं होगा।

अंक विभाजन –

खण्ड अ – वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 x 5 = 5
खण्ड ब – लघु उत्तरीय (तीन–तीन अंको के कुल 4प्रश्न)	3 x 4 = 12
खण्ड स – अ– दीर्घ उत्तरीय(नौ–नौ अंको के कुल 2 समीक्षात्मक प्रश्न)	9 x 2 = 18
ब– व्याख्या – (पांच–पांच अंको की कुल 3 व्याख्याएँ)	5 x 3 = 15
कुल अंक	**50**

निर्धारित पुस्तक : '' हिन्दी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य–विधाएँ एवं बुंदेली भाषा–साहित्य'' म.प्र. हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल से प्रकाशित।

टीप – दीर्घ उत्तरीय एवं लघु उत्तरीय प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ पूछे जायेंगे।

Swami Vivekanand University, Sagar(M.P.)

Department of Higher Education, Govt. of M.P.

Under Graduate semester Wise Syllabus

As Recommended by Central Board of Studies and Aspproved by the Governor of M.P.

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन

स्नातक कक्षाओं के लिये बार्षिक पाठ्यक्रम

केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशांसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित

Session 2019-20

Class / कक्षा	: B.A. III Year/ बी.ए. तृतीय वर्ष
Paper / प्रश्न पत्र	: II/ द्वितीय
Subject / विषय	: हिन्दी साहित्य – वैकल्पिक प्रश्न पत्र (ब)
Title of Paper/	:Hindi Natak, Nibandh, Tatha Sphut Gadya Vidhyen Evam Bagheli Bhasha
प्रश्न पत्र का शीर्षक	:हिन्दी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य–विधाएँ एवं बघेली भाषा–साहित्य
Max. Marks / अधिकतम अंक	:40 नियमित Regular/50 स्वाध्यायी Private

विवरण/ Particulars

इकाई–1 व्याख्यांशः 'अंधेर नगरी' अथवा 'ध्रुवस्वामिनी' और एकांकी

दीपदान : डॉ. रामकुमार वर्मा, वापसी : विष्णु प्रभाकर,

निबंध – 'करूणा' : पं. रामचन्द्र शुक्ल, नाखून क्यों बढ़ते हैः हजारी प्रसाद द्विवेदी,

नाटक–– उत्तिष्ठ भारतः त्रिभुवननाथ शुक्ल (आरम्भ के दो दृश्य)।

'सैफुद्दीन सिद्दीकी सैफू, अमोल बटरोही एवं शिवशंकर मिश्र ''सरस'' की निर्धारित रचनाओं से व्याख्या।

इकाई–2 अंधेर नगरी अथवा ध्रुवस्वामिनी और निर्धारित एकांकी तथा निर्धारित निबंधों से आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई–3 नाटक एवं एकांकी का इतिहास एवं प्रवृत्तियॉ। हिन्दी गद्य विधाओं का उद्‌भव और विकास।

(निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा, यात्रा वृत्तान्त)

इकाई 4 पठित कवियों पर आलोचनात्मक प्रश्न सहित **बघेली भाषा** और उसकी उपबोलियॉ का परिचय, इतिहास तथा सीमा क्षेत्र।

इकाई 5 द्रुत पाठ– लक्ष्मीनारायण मिश्र, डॉ. लक्ष्मी नारायण लाल, मोहन राकेश, भारतेन्दु हरिशचन्द्र, सुरेश शुक्ल ''चन्द्र'' बाबू गुलाब राय, महादेवी वर्मा, रामनाथ प्रधान, बाबूलाल दाहिया, मैथिलीशरण शुक्ल ''मैथिली'' एवं सुदामा शरद पर केन्द्रित लघु उत्तरीय प्रश्न।

अंक विभाजन : नियमित विद्यार्थियों के लिए

सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु प्रश्नपत्र – 40 अंक + आन्तरिक मूल्यांकन 10 अंक त्रैमासिक, 10 अंक छह मासिक कुल 20 अंक । इस प्रकार कुल मिलाकर 60 अंक

नियमित विद्यार्थियों हेतु सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु अंक विभाजन कुल अंक 40

खण्ड अ – वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 x 5 = 5 अंक
खण्ड ब – लघु उत्तरीय (ढाई अंक के दो प्रश्न)	2.5 x 2 = 5 अंक
खण्ड स – दीर्घ उत्तरीय (छः अंको के पॉच प्रश्न)	5 x 6 = 30 अंक
कुल अंक	**= 40**

स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित – कुल 50 अंक। इनका आंतरिक मूल्यांकन नहीं होगा।

अंक विभाजन –

खण्ड अ – वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 x 5 = 5
खण्ड ब – लघु उत्तरीय (तीन–तीन अंको के कुल 4प्रश्न)	3 x 4 = 12
खण्ड स – अ– दीर्घ उत्तरीय(नौ–नौ अंको के कुल 2 समीक्षात्मक प्रश्न)	9 x 2 = 18
ब– व्याख्या – (पांच–पांच अंको की कुल 3 टिप्पणियॉ)	5 x 3 = 15
कुल अंक	**50**

निर्धारित पुस्तक : '' हिन्दी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य–विधाऍं एवं बघेली भाषा–साहित्य'' म.प्र. हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल से प्रकाशित।

टीप – दीर्घ उत्तरीय एवं लघु उत्तरीय प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ पूछे जायेंगे।

Swami Vivekanand University, Sagar(M.P.)

Department of Higher Education, Govt. of M.P.

Under Graduate semester Wise Syllabus

As Recommended by Central Board of Studies and Aspproved by the Governor of M.P.

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन

स्नातक कक्षाओं के लिये बार्षिक पाठ्यक्रम

केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशांसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित

Session 2019-20

Class / कक्षा	: B.A. III Year/ बी.ए. तृतीय वर्ष
Paper / प्रश्न पत्र	: II/ द्वितीय
Subject / विषय	: हिन्दी साहित्य – वैकल्पिक प्रश्न पत्र (स)
Title of Paper/	:Hindi Natak, Nibandh, Tatha Sphut Gadya Vidhyen Evam Malvi Bhasha
प्रश्न पत्र का शीर्षक	:हिन्दी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य–विधाएँ एवं मालवी भाषा–साहित्य
Max. Marks / अधिकतम अंक	:40 नियमित Regular/50 स्वाध्यायी Private

विवरण/ Particulars

इकाई–1 व्याख्यांशः 'अंधेर नगरी' अथवा 'ध्रुवस्वामिनी' और एकांकी

दीपदान : डॉ. रामकुमार वर्मा, वापसी : विष्णु प्रभाकर,

निबंध – 'करूणा' : पं. रामचन्द्र शुक्ल, नाखून क्यों बढ़ते हैः हजारी प्रसाद द्विवेदी,

नाटक–– उत्तिष्ठ भारतः त्रिभुवननाथ शुक्ल (आरम्भ के दो दृश्य)।

'संत पीपा, आनंदराव दुबे, बालकवि बैरागी एवं नरहरि पटेल, की निर्धारित रचनाओं से व्याख्या।'

इकाई–2 अंधेर नगरी अथवा ध्रुवस्वामिनी और निर्धारित एकांकी तथा निर्धारित निबंधों से आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई–3 नाटक एवं एकांकी का इतिहास एवं प्रवृत्तियॉ। हिन्दी गद्य विधाओं का उद्‌भव और विकास।

(निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा, यात्रा वृत्तान्त)

इकाई 4 पठित कवियों पर आलोचनात्मक प्रश्न सहित **मालवी भाषा** और उसकी उपबोलियॉ का परिचय, इतिहास तथा सीमा क्षेत्र।

इकाई 5 द्रुत पाठ– लक्ष्मीनारायण मिश्र, डॉ. लक्ष्मी नारायण लाल, मोहन राकेश, भारतेन्दु हरिशचन्द्र, सुरेश शुक्ल ''चन्द्र'' बाबू गुलाब राय, महादेवी वर्मा, मदनमोहन व्यास, हरीश निगम, मोहन सोनी, शिव चौरसिया एवं श्री निवास जोशी पर केन्द्रित लघु उत्तरीय प्रश्न।

अंक विभाजन : नियमित विद्यार्थियों के लिए

सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु प्रश्नपत्र – 40 अंक + आन्तरिक मूल्यांकन 10 अंक त्रैमासिक, 10 अंक छह मासिक कुल 20 अंक । इस प्रकार कुल मिलाकर 60 अंक

नियमित विद्यार्थियों हेतु सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु अंक विभाजन कुल अंक 40

खण्ड अ – वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 x 5 = 5 अंक
खण्ड ब – लघु उत्तरीय (ढाई अंक के दो प्रश्न)	2.5 x 2 = 5 अंक
खण्ड स – दीर्घ उत्तरीय (छः अंको के पॉच प्रश्न)	5 x 6 = 30 अंक
कुल अंक	**= 40**

स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित – कुल 50 अंक। इनका आंतरिक मूल्यांकन नहीं होगा।

अंक विभाजन –

खण्ड अ – वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 x 5 = 5
खण्ड ब – लघु उत्तरीय (तीन–तीन अंको के कुल 4प्रश्न)	3 x 4 = 12
खण्ड स – अ– दीर्घ उत्तरीय(नौ–नौ अंको के कुल 2 समीक्षात्मक प्रश्न)	9 x 2 = 18
ब– व्याख्या – (पांच–पांच अंको की कुल 3 टिप्पणियॉ)	5 x 3 = 15
कुल अंक	**50**

निर्धारित पुस्तक : '' हिन्दी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य–विधाऍ एवं मालवी भाषा–साहित्य'' म.प्र. हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल से प्रकाशित।

टीप – दीर्घ उत्तरीय एवं लघु उत्तरीय प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ पूछे जायेंगे।